



तीसरे टी20 में अभिषेक के तूफान... 7 महाराष्ट्र की सियासत में दिखी नई... 3 मतगणना में गड़बड़ी कर के सपा के... 2

स्नातक चुनाव— पढ़े-लिखों ने भी बीजेपी से फेरा मुंह

मोदी-योगी के लिए खतरे की घंटी

लखनऊ से पटना तक झटका, भाजपा के चुनावी गणित में भूकंप

» लखनऊ से वाराणसी और पटना तक नतीजों ने खोली रणनीति की कलई, पढ़े-लिखे मतदाता की नाराजगी

» भीतरघात और कार्यकर्ताओं की उपेक्षा ने बढ़ाई मोदी-योगी की मुश्किलें

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जिस पढ़े-लिखे तबके को भाजपा अपनी सबसे भरोसेमंद ताकत मानती रही है उसी के चुनावी फैसले ने पार्टी के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। लखनऊ से वाराणसी और वाराणसी से पटना तक स्नातक चुनाव के नतीजे अगर भाजपा के खिलाफ हवा का संकेत दे रहे हैं तो इसे महज कुछ सीटों की हार बताकर खारिज करना भारी भूल होगी।

स्नातक चुनाव के नतीजे सियासी संदेश दे रहे हैं कि भाजपा के वोट बैंक में संघ लग चुकी है। पढ़ा-लिखा मतदाता भी अब सवाल पूछने लगा है। जगह जगह विरोध हो रहा है। जनता रोजगार से लेकर सुरक्षा की बात कर रही है। सार्वजनिक स्थानों पर अब विरोध में नारे लगने शुरू हो गये हैं। ऐसे में इन नतीजों ने मोदी-योगी की जोड़ी के सामने नई चुनौती पेश कर दी है जो संकेत दे रही है कि अब स्थिति पहले से ज्यादा गंभीर होती जा रही है। स्नातक चुनाव सामान्य चुनावों से अलग होते हैं। यहां मतदाताओं का दायरा सीमित होता है लेकिन राजनीतिक संदेश का दायरा बहुत बड़ा होता है। इस चुनाव में उतरने वाले मतदाता शिक्षा, रोजगार, महंगाई, व्यवस्था और अपने भविष्य जैसे सवाल से सीधे जुड़े होते हैं। भाजपा लंबे समय से अपने पक्ष में शिक्षित मध्यवर्ग के समर्थन का दावा करती रही है। ऐसे में जिन क्षेत्रों में पार्टी को मजबूत माना जाता रहा हो वहां उसके उम्मीदवारों को चुनौती मिलना केवल स्थानीय समीकरणों का मामला नहीं रह जाता। यह पार्टी की रणनीति संगठन और मतदाताओं से उसके रिश्तों की भी परीक्षा बन जाता है।

सत्ता का सेमीफाइनल या भाजपा के पतन का ट्रेलर

पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में राजद ने भाजपा से छिनी सीट दरभंगा से जीती जनसुराज

बिहार में शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में कई सीटों पर उलटफेर देखने को मिला है। पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रत्याशी डॉ. संजीव कुमार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता नवल किशोर यादव को हराकर जीत दर्ज की है। वहीं, दरभंगा शिक्षक सीट पर जन सुराज पार्टी के सुरेश राय ने कांग्रेस के

वरिष्ठ नेता मदन मोहन झा को पराजित किया। सारण शिक्षक सीट से भाजपा के बागी निर्दलीय उम्मीदवार डॉ. राहुल राज ने जीत हासिल की पटना से जीते राजद प्रत्याशी ने कहा है कि वह शिक्षक समाज से किए गए वादों को ईमानदारी और मजबूती के साथ पूरा करेंगे। विधान परिषद में शिक्षकों की आवाज बुलंद करेंगे और सरकार को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए काम करने को बाध्य करेंगे। उन्होंने कहा कि पटना शिक्षक सीट पर 30 साल पुराने किले को तोड़ने के बाद वह आगे भी भाजपा सरकार के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे।

बीजेपी के भीतर अंसतोष कलह और गुटबाजी चरम पर

मोदी के संसदीय क्षेत्र में भी सपा का परचम

भाजपा की चुनावी रणनीति को चुनौती देते हुए समाजवादी पार्टी ने आगरा और वाराणसी की शिक्षक निर्वाचन सीटों पर जीत दर्ज की है। आगरा में डॉ. आकाश अग्रवाल ने सपा को जीत दिलाई, तो वाराणसी में लाल बिहारी यादव ने अपनी सीट बरकरार रखी। वाराणसी का

आगरा शिक्षक सीट पर आकाश अग्रवाल की जीत

परिणाम इसलिए भी राजनीतिक महत्व रखता है, क्योंकि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र है। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले इन नतीजों ने भाजपा के सामने संगठन, कार्यकर्ताओं की नाराजगी और मतदाताओं के बदलते रुझान को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भाजपा की जीत और आगे

- 1- मेरठ शिक्षक
- 2- मेरठ स्नातक
- 3- बरेली-स्नातक
- 4- लखनऊ-शिक्षक
- 5- आगरा-स्नातक
- 6- गोरखपुर-शिक्षक

सपा की जीत और आगे

- 1- वाराणसी- शिक्षक
- 2- वाराणसी-स्नातक
- 3- झांसी-स्नातक
- 4- आगरा-शिक्षक
- 5- लखनऊ-स्नातक

यहीं से कहानी में असली मोड़ आता है। एक तरफ चुनावी नतीजों से भाजपा के सामने सवाल खड़े हो रहे हैं दूसरी तरफ संगठन के भीतर अंसतोष और कार्यकर्ताओं की उपेक्षा की चर्चाएं पार्टी की चिंता बढ़ा रही हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से संगठन को मजबूत करने जमीनी कार्यकर्ताओं से संवाद बढ़ाने और उनकी नाराजगी दूर करने की पहल की खबरें इस बेवैनी को और महत्वपूर्ण बना देती हैं। क्योंकि चुनाव केवल बड़े नेताओं के भाषणों विशाल सभाओं और चमकदार प्रचार अभियानों से नहीं जीते जाते। चुनाव जीतने के लिए बूथ पर खड़ा कार्यकर्ता चाहिए, मतदाता तक पहुंचने वाला संगठन चाहिए और ऐसा भरोसा चाहिए जो चुनाव की घोषणा के बाद नहीं पूरे पांच साल में बनता है। यह हम नहीं

कह रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का आंतरिक सर्वे कह रहा है? कि कार्यकर्ता को लग रहा है कि उसकी याद संगठन को केवल चुनाव के समय आती है। उसकी मेहनत का सम्मान नहीं होता और फैसलों में उसकी आवाज नहीं सुनी जा रही है। यहां भी चुनौती वही है कि समय कम है और चुनाव सिर पर हैं। अगर विधानसभा चुनाव में चार महीने से भी कम समय बचा है, तो क्या इतनी कम अवधि में संगठन की दरारें भरी जा सकेंगी? क्या नाराज कार्यकर्ता फिर उसी ऊर्जा से मैदान में उतरेगा? क्या मतदाताओं का भरोसा दोबारा जीता जा सकेगा? और क्या भाजपा नेतृत्व इन नतीजों को चेतावनी मानकर अपनी रणनीति बदलेगा, या इन्हें स्थानीय चुनाव का सीमित असर बताकर आगे बढ़ जाएगा?

मतगणना में गड़बड़ी करके सपा के उम्मीदवार को हराया गया : अखिलेश यादव

यूपी एमएलसी चुनाव : सप प्रमुख ने लगाए आरोप, शिक्षकों के अपमान का भी किया जिक्र

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एमएलसी चुनाव को लेकर भाजपा पर करारा वार किया है। सपा के प्रत्याशी डॉ. संजयन त्रिपाठी को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर उन्होंने मतगणना में गड़बड़ी और साजिश के जरिए सपा प्रत्याशी को हराने का आरोप लगाया। कहा कि इस मामले में भाजपा के नेताओं, उनके सहयोगियों और कथित तौर पर संलिप्त अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं।

अखिलेश यादव ने अपनी पोस्ट में आरोप लगाया कि डॉ. संजयन त्रिपाठी को हराने की साजिश सबके सामने आ गई है। इसके पीछे सिर्फ यह वजह नहीं है कि डॉ. त्रिपाठी समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार हैं, बल्कि उन्होंने इसके लिए हाता नहीं भाता का भी जिक्र किया। भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी वोट से नहीं, बल्कि खोट से जीतती है। हालांकि, मतगणना में गड़बड़ी और साजिश से जुड़े इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि इस बयान से नहीं होती है। सपा अध्यक्ष ने डॉ. संजयन त्रिपाठी के कथित उत्पीड़न और उनके आंसुओं का जिक्र करते हुए कहा कि शिक्षक समाज इस घटना को नहीं भूलेगा।



राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने शामिल होने वाले नेताओं का किया स्वागत

सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने शामिल होने वाले नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि 2027 में प्रदेश में परिवर्तन होना तय है। आंवला के सांसद नीरज मौर्य ने कहा कि प्रदेश में परिवर्तन की बयार चल रही है। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल आदि मौजूद रहे।

भाजपा के शासन में शिक्षकों को अपमान का सामना करना पड़ा है। उन्होंने शिक्षकों से चारा इकट्ठा करने जैसे काम करवाने के कथित षड्यंत्र का भी आरोप लगाया और कहा कि शिक्षक इसे याद रखेंगे।

अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी डॉ. संजयन त्रिपाठी और उनके समाज

के साथ हो रहे कथित अन्याय और उत्पीड़न के खिलाफ खड़ी है और आगे भी खड़ी रहेगी। उनके इस बयान से एमएलसी चुनाव की मतगणना को लेकर राजनीतिक विवाद और तेज होने के संकेत हैं। मतगणना से संबंधित आरोपों पर संबंधित चुनाव अधिकारियों या भाजपा की प्रतिक्रिया

चैनपुर (बरेली) से कीर्ति कश्यप सपा विधानसभा प्रत्याशी घोषित

सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मंगलवार को बिथरी चैनपुर (बरेली) से कीर्ति कश्यप को विधानसभा प्रत्याशी घोषित कर दिया। कीर्ति कश्यप आंवला के पूर्व सांसद धर्मेन्द्र कश्यप की पुत्री हैं और अपने पिता के साथ उन्होंने कई नेताओं ने सपा का दामन थामकर मंगलवार को ही सपा की सदस्यता ग्रहण की। इसके अलावा आंवला से बसपा के लोकसभा प्रत्याशी रहे सैय्यद आबिद अली समेत कई नेता भी सपा में शामिल हुए। इस अवसर पर पूर्व सांसद धर्मेन्द्र कश्यप ने कहा कि पूरे प्रदेश में कश्यप समाज के एक दर्जन से ज्यादा लोगों की हत्याएं हो गई हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि कई नेता जो चुनाव में

अलग-अलग दलों से आमने-सामने थे, आज वे सभी सपा में पीडीए के मजबूत पिलर के रूप में एक साथ खड़े हैं। धर्मेन्द्र कश्यप के समाजवादी पार्टी में आने से बरेली, पश्चिमी यूपी समेत पूरे प्रदेश में पीडीए की लड़ाई और सामाजिक न्याय के राज की स्थापना के लिए चल रहा संघर्ष और मजबूत हुआ है। ये लोग भी हुए शामिल आलापुर (बदायूं) के चेयरमैन फहीमुद्दीन, श्रावस्ती से भाजपा नेता देव प्रताप सिंह, बहराइच से संतोष तिवारी, उन्नाव से सर्वेश कुमार वर्मा, भारतीय साहू-राठौर सभा के कार्यकारी अध्यक्ष अनुज कुमार साहू, बरेली के डा. विनोद विश्वकर्मा, उत्तर प्रदेश सफाई मजदूर संघ के उपाध्यक्ष श्याम सुंदर बाल्मीकि।

टाटा ग्रुप को बर्बाद किया जा रहा है: राहुल गांधी

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने टाटा ग्रुप को आपराधिक तरीके से बर्बाद करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार भारतीय व्यवसायों को अपने हाथों का खिलौना समझती है। टाटा संस के एजीक्यूटिव चेयरमैन के रूप में एन. चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को लेकर चल रहे विवाद के बीच, प्रमुख कारोबारी कुछ भी बोलने से डर रहे हैं। इस मामले पर उन्होंने बड़े कारबारियों की चुप्पी पर सवाल उठाया।

» नेता प्रतिपक्ष ने कारोबारियों की चुप्पी पर उठाए सवाल

कांग्रेस नेता ने कहा कि कोई भी बड़ा कारोबारी इस पर कुछ भी बोलने की हिम्मत नहीं कर रहा। ये आरोप राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में लगाया है। कांग्रेस नेता ने जोर देकर कहा, हम इन अपराधों के लिए न्याय सुनिश्चित करेंगे। राहुल गांधी की ये टिप्पणी ऐसे वक्त में सामने आई है जब टाटा संस के नेतृत्व को लेकर टाटा ग्रुप के भीतर तीखा विवाद चल रहा है। इस टकराव की वजह से ट्रस्टी आपस में बंट गए हैं और मामला टाटा संस के बोर्डरूम तक पहुंच गया है।



मंत्री एके शर्मा के अपने ही विभाग पर नगर निगम का ताला!

बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता कार्यालय पर 3.84 करोड़ गृहकर बकाया, नगर निगम ने किया सील

» ओटीएस का जोरदार प्रचार, लेकिन खुद के विभाग में ही पालन नहीं?

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। एक तरफ नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा नगर निगम की एकमुश्त समाधान योजना का जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उनके ही अधीन ऊर्जा विभाग का कार्यालय करोड़ों रुपये का गृहकर बकाया होने के चलते नगर निगम की सीलिंग कार्रवाई की जद में आ गया।

दिलचस्प बात यह है कि कार्रवाई करने वाला नगर निगम भी मंत्री एके शर्मा के नगर विकास विभाग के अंतर्गत आता है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब मंत्री के अपने विभाग ही बकाया भुगतान को लेकर गंभीर नहीं हैं, तो आम जनता को ओटीएस योजना का लाभ उठाने और समय पर कर जमा करने का संदेश कितना प्रभावी होगा? मंगलवार को नगर आयुक्त गौरव कुमार



की सख्ती के बाद नगर निगम जोन-5 की टीम ने सरोजनी नगर प्रथम वार्ड स्थित 400 केवी विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता कार्यालय को सील कर दिया। भवन संख्या जीबी-26 एवं जीबी-27 पर 3 करोड़ 84 लाख 47 हजार 5 रुपये गृहकर बकाया बताया गया है। नगर निगम के मुताबिक, बकाया भुगतान के लिए कई बार पत्राचार और संपर्क किया गया, लेकिन भुगतान नहीं होने पर आखिरकार सीलिंग की कार्रवाई करनी पड़ी।

मंत्री जी! के ही विभाग पर करोड़ों का बकाया!

इस कार्रवाई ने सरकारी विभागों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस नगर विकास विभाग के माध्यम से गृहकर वसूली और ओटीएस योजना को बढ़ावा दिया जा रहा है, उसी विभाग के मंत्री के अधीन आने वाला ऊर्जा विभाग करोड़ों का बकायेदार निकला। सवाल यह भी है कि बार-बार नोटिस मिलने के बावजूद विद्युत विभाग ने गृहकर जमा क्यों नहीं कराया? क्या सरकारी विभागों के बीच समन्वय की कमी है या फिर बकाया भुगतान को लेकर जिम्मेदार अधिकारी ही गंभीर नहीं हैं? हालांकि नगर निगम ने कार्रवाई करके स्पष्ट संदेश

दिया है कि बकायेदार चाहे आम नागरिक हो या सरकारी विभाग, नियमों के तहत कार्रवाई से छूट नहीं मिलेगी। जोन-5 में विद्युत विभाग के अलावा नादरगंज स्थित मंडलीय ड्रग वेयरहाउस के प्रशासनिक कार्यालय को भी सील किया गया। इस भवन पर 14 लाख 79 हजार 869 रुपये गृहकर बकाया था। सहायक नगर आयुक्त एवं जोनल अधिकारी विनीत कुमार सिंह के नेतृत्व में हुई कार्रवाई के दौरान कर अधीक्षक सभाजीत सिंह, राजस्व निरीक्षक विवेक मिश्रा, राजू कुमार एवं प्रवर्तन दल मौजूद रहा।

नगर आयुक्त की दो टूक, बकाया जमा करें वरना जारी रहेगी कार्रवाई

नगर आयुक्त गौरव कुमार ने भवन स्वामियों से अपील की है कि वे एकमुश्त समाधान योजना का लाभ उठाकर निर्धारित नियमों के अनुसार ब्याज में छूट प्राप्त करें और अपना बकाया गृहकर जमा करें। फिलहाल, ऊर्जा विभाग के अधिशासी अभियंता कार्यालय पर नगर निगम का ताला लगने से एक सवाल जरूर खड़ा हो गया है—जब मंत्री के अपने ही विभागों में ओटीएस और समय पर कर भुगतान को लेकर ऐसी स्थिति है, तो आम जनता से नियमों के पालन की अपेक्षा कैसे की जा रही है?

डीएमके नेता ने स्कूलों से 400 करोड़ वसूले: निर्मल कुमार

» टीवीके नेता ने डीएमके सरकार के पूर्व शिक्षा मंत्री अनबिल महेश पर लगाए गंभीर आरोप

4पीएम न्यूज नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मंत्री निर्मल कुमार ने आरोप लगाया है कि DMK नेता और पूर्व स्कूली शिक्षा मंत्री अनबिल महेश पोय्यामोझी ने एक ही साल में स्कूलों से सर्टिफिकेट जारी करने के नाम पर पैसे वसूले और इस तरह पार्टी फंड के लिए 400 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जमा की।

निजी स्कूलों से जुड़े 100 करोड़ रुपये के रिश्तत मामले में महेश की

गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए, टीवीके नेता निर्मल कुमार ने दावा किया कि स्कूल प्रबंधन को सर्टिफिकेट के लिए पैसे देने पर मजबूर किया गया और वसूली गई यह रकम पार्टी फंड में डाल दी गई। उन्होंने कहा कि हमने एक ऐसे मंत्री को गिरफ्तार किया है जिसने पार्टी फंड के नाम पर 400 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम वसूली है। यह DMK के लिए बहुत शर्म की बात है। उन्होंने पैसे ऐंठने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने सर्टिफिकेट जारी करने के बदले पैसे मांगे और स्कूलों से यह रकम वसूली। अब, स्कूल खुद आगे आकर शिकायतें दर्ज करा रहे हैं। उन्होंने सर्टिफिकेट के

जरिए एक साल में 400 करोड़ रुपये बना लिए। टीवीके के मंत्री ने डीएमके अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की भी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि स्टालिन ने इस गिरफ्तारी को राजनीतिक प्रेरित और बदले की कार्रवाई बताया है।

सोमवार को ग्रेटर चेन्नई पुलिस की सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने अनबिल महेश को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी निजी स्कूलों के लिए मंजूरीयां और कानूनी क्लियरेंस से जुड़े 100 करोड़ रुपये के कथित भ्रष्टाचार के मामले में हुई है। मद्रास हाई कोर्ट द्वारा उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के कुछ ही समय बाद उन्हें

गिरफ्तार कर लिया गया। यह मामला इन आरोपों के इर्द-गिर्द घूमता है कि स्थायी मान्यता और अन्य प्रशासनिक मंजूरीयां देने के बदले में 1,000 से अधिक निजी स्कूल प्रबंधन से पैसे वसूले गए। आरोप है कि 2021 से 2026 के बीच, जब महेश स्कूल शिक्षा मंत्री थे, तब पार्टी फंड के नाम पर ये पैसे लिए गए थे। CCB ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं, संदिग्ध वित्तीय लेन-देन की जांच के लिए प्रवर्तन निदेशालय-ईडी ने भी धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। इन आरोपों की जांच चल रही है और अभी तक अदालत में ये साबित नहीं हुए हैं।

महाराष्ट्र की सियासत में दिखी नई रंगत प्रियंका गांधी के साथ दिखे शैलेश पाटिल

- » राजनीतिक वापसी अटकलें, पिता रहे थे केंद्रीय मंत्री
- » राउत के बयान पर घमासान
- » आठवले का दाव 29 में भी एनडीए सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में सियासत में हर पल कोई न कोई नया रंग दिखाई देता रहता है। अब दिवंगत केंद्रीय मंत्री शिवराज पाटिल के बेटे शैलेश पाटिल एक तस्वीर में कांग्रेस की शीर्ष नेता गांधी परिवार की सदस्या प्रियंका गांधी के साथ देखे गए। प्रियंका के साथ शैलेश की तस्वीर ने राजनीतिक वापसी की अटकलें तेज कीं।

हालांकि, शैलेश ने इसे खारिज करते हुए पारिवारिक संबंधों का हवाला दिया। दिवंगत केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल चाकूरकर के बेटे शैलेश पाटिल चाकूरकर की एक तस्वीर ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। यह तस्वीर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड़ा के साथ मंगलवार को उनके फेसबुक खाते पर साझा की गई थी। इस पोस्ट से शैलेश के सक्रिय राजनीति में लौटने की अटकलें तेज हो गई। वहीं जरांगे को लेकर राउत पर हमले हो रहे हैं तो वहीं अठावले एकबार फिर एनडीए सरकार बनने की भविष्यवाणी कर रहे हैं।



तस्वीर का मकसद केवल त्योहार की शुभकामनाएं?

शैलेश पाटिल चाकूरकर पहले महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस समिति के महासचिव रह चुके हैं। तस्वीर में कोई कैप्शन नहीं था, जिससे चर्चाओं को और बल मिला। हालांकि, शैलेश ने इन अटकलों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह किसी भी राजनीतिक दल, न तो कांग्रेस और न ही भाजपा से संबंधित हैं। शैलेश ने बताया कि यह तस्वीर केवल त्योहार की शुभकामनाएं देने के लिए साझा की गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके परिवार के गांधी परिवार के साथ पुराने

पत्नी के भाजपा में शामिल होने से जुड़ा है मामला?

यह तस्वीर ऐसे समय में सामने आई है जब उनकी पत्नी डॉ. अर्चना पाटिल चाकूरकर मार्च 2024 में भाजपा में शामिल हुई थीं। अर्चना ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में लातूर शहर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। उन्होंने कांग्रेस नेता अमित देशमुख के खिलाफ चुनाव लड़ा, लेकिन हार गई। उनकी भाजपा में एंट्री के बाद, शैलेश या उनके पिता शिवराज पाटिल चाकूरकर सार्वजनिक रूप से उनके चुनाव प्रचार में सक्रिय नहीं दिखे।

संबंध हैं। उन्होंने लोगों से इसे राजनीतिक रूप से न लेने का आग्रह किया। शैलेश ने कहा कि

शैलेश ने पत्नी का समर्थन किया?

शैलेश ने बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी का नैतिक समर्थन किया था। हालांकि, उन्होंने सार्वजनिक रूप से उनके चुनाव अभियान में भाग नहीं लिया। उन्होंने अपनी राजनीतिक निष्क्रियता पर जोर दिया। शैलेश ने दोहराया कि वह किसी भी राजनीतिक दल का हिस्सा नहीं हैं।

यदि कोई राजनीतिक घोषणा होगी, तो वह प्रेस वार्ता करेंगे।

प्रदीप पूर्णकर हत्याकांड पर बेटे से बोले फणनवीस न्याय मिलेगा

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रदीप पूर्णकर के बेटे राम पूर्णकर को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। प्रदीप पूर्णकर की 29 सितंबर को हत्या कर दी गई थी। राम पूर्णकर ने ठाणे में मुख्यमंत्री से मुलाकात की और उन्हें अपनी मांगों से जुड़ा एक औपचारिक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान फडणवीस ने उनसे कहा, आपके पिता के साथ अन्याय नहीं होगा। मैं आपके साथ



हूँ। मुख्यमंत्री नवरात्रि उत्सव में शामिल होने के लिए ठाणे पहुंचे थे। इस मुलाकात के दौरान भाजपा के ठाणे जिला अध्यक्ष सदीप लेले, विधायक संजय केलकर, विधान परिषद सदस्य निरंजन डावखरे और उपमहापौर कृष्णा पाटिल समेत कई नेता मौजूद थे। पुलिस के मुताबिक, मनपाड़ा में शिवसेना (यूबीटी) के वार्ड प्रमुख प्रदीप पूर्णकर पर हमले के दौरान करीब छह गोलियां चलाई गई थीं। इनमें से दो गोलियां उन्हें लगीं। गोलीबारी के बाद हमलावरों ने उन पर चोंपर से भी हमला किया। इस मामले में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

तिरंगा लहराने से रोकने पर सत्ता परिवर्तन की चर्चा: संजय राउत

शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके की गिरफ्तारी को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यदि युवाओं को देश में तिरंगा लहराने की अनुमति नहीं दी जाती, तो सत्ता परिवर्तन की बात उठना स्वाभाविक है। राउत ने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी, अमित शाह और देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान युवाओं को तिरंगा लहराने से रोका जा रहा है और उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में सत्ता परिवर्तन की चर्चा हो रही है और यह परिवर्तन होकर रहेगा। दीपके शुक्रवार को दिल्ली के झंडवालान स्थित अपने घर से कर्नाट प्लेस में आयोजित 'लहरा दो तिरंगा' प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें हिरासत में लिया गया था।



शनिवार सुबह उन्हें 10 अक्टूबर को दिए गए शांति बनाए रखने के बंधपत्र का कथित उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। बाद में उन्हें शर्तों के साथ जमानत दे दी गई और शांति बंधपत्र पर हस्ताक्षर करने को कहा गया। यह प्रदर्शन मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित चुनावी अनियमितताओं के विरोध से जुड़ा था।

बीड में सूखे की स्थिति की समीक्षा सुनेत्रा पवार ने अधिकारियों को दिए राहत के निर्देश

महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार ने बीड जिले में गंभीर सूखे की स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को राहत कार्य तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को बीड कलेक्ट्रेट में हुई बैठक में पीने के पानी की कमी, फसलों को हुए नुकसान और पशुओं के चारे की समस्या पर चर्चा हुई। सुनेत्रा

पवार ने फसल नुकसान का आकलन जल्द पूरा करने को कहा। जिले में पानी की आपूर्ति के लिए चल रहे 225



टैंकों की निगरानी जीपीएस तकनीक से करने के निर्देश दिए गए, ताकि पानी सही समय पर जरूरतमंदों तक पहुंचे। उन्होंने निर्माण कार्यों में पीने के पानी का इस्तेमाल रोकने और नदियों-नालों की सफाई, गहरीकरण, सार्वजनिक कुओं की मरम्मत तथा भूजल बढ़ाने के काम तुरंत शुरू करने को कहा। चारे की

कमी से निपटने के लिए किसानों को साइलेज, हाइड्रोपोनिक्स और एंगोला उगाने का प्रशिक्षण देने पर जोर दिया गया। रोजगार योजनाओं को जल संरक्षण कार्यों से जोड़ने और परेशान किसानों को परामर्श देने के निर्देश भी दिए गए। महाराष्ट्र में 358 में से 305 तालुकाओं को सूखाग्रस्त घोषित किया गया है।

29 में भी सत्ता में लौटेगा एनडीए : आठवले

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) 2029 के लोकसभा चुनाव में भी सत्ता में बना रहेगा। उन्होंने कहा कि मोदी एनडीए के कप्तान हैं और वह उनकी टीम के खिलाड़ी हैं। आठवले शनिवार को महाराष्ट्र के धाराशिव दौरे पर थे। वह क्षेत्र में सूखे की स्थिति का जायजा लेने पहुंचे थे। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने विपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि वह राहुल गांधी का विकेट लेंगे। इसके अलावा, आठवले ने

'कॉकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक अभिजीत दीपके को अपनी पार्टी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) में शामिल होने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि यदि दीपके खुद को आंबेडकरवादी मानते हैं, तो उन्हें आरपीआई (ए) से जुड़कर युवाओं को पार्टी के साथ लाने और डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों को आगे बढ़ाने के बारे में सोचना चाहिए।



प्रदीप पूर्णकर के परिवार से मिले मंत्री प्रताप सरनाईक

महाराष्ट्र के मंत्री और शिवसेना नेता प्रताप सरनाईक ने शनिवार को शिवसेना (यूबीटी) के दिवंगत पदाधिकारी प्रदीप पूर्णकर के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने परिवार को न्याय दिलाने में मदद का भरोसा दिया और कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। प्रदीप पूर्णकर की 29 सितंबर को हत्या कर दी गई थी। वह उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) में मनपाड़ा के वार्ड प्रमुख थे। हमलावरों ने पहले उन पर गोली चलाई और फिर धारदार हथियार से हमला किया। इस मामले में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सरनाईक ने परिवार की मुलाकात महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से फोन पर भी कराई। उन्होंने कहा कि आरोपियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए परिवार को वरिष्ठ और अनुभवी वकील उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही परिवार की सुरक्षा से जुड़ी मांगों पर भी कार्रवाई करने की बात कही। सरनाईक ने हत्या के 18 दिन बाद परिवार से मिलने पहुंचने पर माफी भी मांगी। उन्होंने कहा कि ठाणे में तनावपूर्ण माहौल के कारण उन्होंने मुलाकात का समय सोच-समझकर तय किया था। इससे पहले परिवार ने शिकायत की थी कि शिवसेना का कोई नेता उनसे मिलने नहीं आया।



कांग्रेस पैनल के साथ बने रहेंगे एनसीपी मंत्री

महाराष्ट्र के सहकारिता मंत्री और एनसीपी नेता बाबासाहेब पाटिल ने लातूर जिला केंद्रीय सहकारी बैंक चुनाव में कांग्रेस पैनल के साथ बने रहने का फैसला किया है। यह कदम महायुति गठबंधन के साझा चुनाव लड़ने की घोषणा के दो दिन बाद आया है। भाजपा के पूर्व मंत्री संभाजी पाटिल निलंगेकर ने उन पर समझौते से पीछे हटने और पद के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर पाटिल कांग्रेस के साथ चुनाव

लड़ना चाहते हैं, तो उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए। बैंक की 19 सीटों के लिए 15 नवंबर को मतदान होगा। लातूर जिले में बारिश की



कमी के कारण जल संकट गहरा गया है। प्रशासन ने जिले को एक साल के लिए 'जल संकट क्षेत्र' घोषित कर दिया है। इसके साथ ही भूजल के इस्तेमाल और नाप बोरेल खोदने पर कई तरह की पाबंदियां लगाई गई हैं। अधिकारी के मुताबिक, इस मानसून में पर्याप्त बारिश नहीं होने से जिले में भूजल स्तर करीब 4.58 मीटर नीचे चला गया है। जिलाधिकारी भारत बस्तेवाड़ ने आने वाले महीनों में पीने के पानी की कमी रोकने

के लिए यह आदेश जारी किया है। आदेश के तहत खेती और उद्योग के लिए 60 मीटर से ज्यादा गहरे कुएं या बोरेल खोदने पर रोक है। सार्वजनिक पेयजल स्रोतों के 500 मीटर के दायरे में नाप बोरेल भी नहीं खोदे जा सकेंगे। बिना अनुमति टैंकों से भूजल बेचने और ले जाने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। नियम तोड़ने वालों पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। जिले की सभी 10 तहसीलों को सूखाग्रस्त घोषित किया गया है।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_SanjayS

जिद... सच की

राम के आदर्शों को आत्मसात करना ही वाल्मीकि को सच्ची पुष्पाजलि

गत दिनों पूरे देश ने आदिकवि भगवान वाल्मीकि की जयंती मनाई। उन्होंने रामायण की रचना की थी। आज उनके जन्मदिन पर हमें ये संकल्प लेना होगा कि राम केवल नारों में लेने वाले नाम नहीं हैं। आज के समाज को उनके आदर्शों को आत्मसात करना होगा तभी वाल्मीकि ऋषि की रचना को सच्ची उपयोगिता साबित होगी। वाल्मीकि के आश्रम में ऊंच-नीच का कोई भेद नहीं था। राजपुत्र और वनवासी बालक एक ही गुरु से सीखते थे। आज वाल्मीकि जयंती पर निकलने वाली शोभायात्राओं, पूजन, भजन-कीर्तन और रामकथा के आयोजनों में सभी वर्गों के लोग साथ दिखते हैं। यह उसी समरसता की झलक है, जो उनके आश्रम की पहचान थी। जयंती केवल जयकारे लगाने और झांकियां निकालने का दिन नहीं है। भगवान वाल्मीकि ने श्रीराम के आदर्श इसलिए लिखे कि समाज उन्हें अपनाए। इसलिए हमें अपने आसपास देखना चाहिए कि कोई उपेक्षित तो नहीं, किसी के साथ भेदभाव तो नहीं हो रहा, किसी को सहारे की आवश्यकता तो नहीं।

जिस परंपरा ने सीता को आश्रय दिया, उसे मानने वाले को दूसरों के लिए आश्रय बनना आना चाहिए। भगवान वाल्मीकि को इससे बड़ी श्रद्धांजलि कोई नहीं हो सकती। वाल्मीकि ऋषि रामायण की रचना कर श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाया और माता सीता को आश्रय देकर लव-कुश को शिक्षित किया। उनका आश्रम सामाजिक समरसता और समानता का अद्वितीय प्रतीक था। वाल्मीकि जयंती हमें भेदभाव समाप्त कर उपेक्षितों का सहारा बनने और उनके बताए मानवीय मूल्यों को अपनाने की सच्ची प्रेरणा देती है। रामलीला का मंच सजने से पहले हर साल एक परंपरा निभाई जाती है। कई रामलीला समितियां पंजाब के अमृतसर में बने भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल (राम तीर्थ) जाती हैं और वहां से पवित्र जल व अखंड ज्योति लेकर लौटती हैं। यह भगवान वाल्मीकि का आश्रम था, जहां माता सीता ने निवास किया और लव-कुश का जन्म हुआ। राम के चरित्र का मंचन उस भूमि के आशीर्वाद से शुरू होता है, जहां से राम कथा निकली। आश्विन पूर्णिमा को आने वाली वाल्मीकि जयंती इसी स्मरण का दिन है। भगवान वाल्मीकि ऋषि प्रचेता के पुत्र हैं। ऋषि के घर जन्म लेने भर से उनका मार्ग आसान नहीं हुआ। उन्होंने इतनी कठोर तपस्या की कि उनके शरीर पर दीमक की बांबी, यानी वल्मीक, बन गई। इसी से वे वाल्मीकि कहलाए। उनका जीवन बताता है कि साधना और संकल्प से मनुष्य अपनी पहली पहचान से आगे बढ़ सकता है।

Sanjay

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

हिमालय को बचाने के लिए वैज्ञानिक निगरानी जरूरी

जयसिंह रावत

नेपाल में गत 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद वैज्ञानिकों ने एक ऐसा खुलासा किया है, जो समूचे हिमालय के लिए खतरे की घंटी है। जिस पहाड़ के टूटने से नेपाल और चीन में हजारों लोग मारे गए अथवा लापता हो गए, वह आपदा से कई सप्ताह पहले ही खिसकने लगा था। यूरोपीय सेंटिनल-1 उपग्रह ने 48 दिनों के दौरान उसकी सतह में 40 सेंटीमीटर तक का संचलन दर्ज किया था। इसका अर्थ है कि पहाड़ के भीतर बढ़ती अस्थिरता के संकेत अंतरिक्ष से मिल रहे थे, लेकिन उन्हें समय रहते प्रभावी चेतावनी में नहीं बदला जा सका। यह खुलासा इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी) की 13 अक्टूबर को जारी वैज्ञानिक रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, 26 अगस्त की सुबह लगभग 8:37 बजे नेपाल के रसुवा क्षेत्र में 7,227 मीटर ऊंचे लांगटांग लिरंग पर्वत के उत्तरी हिस्से से लगभग 13.2 करोड़ घनमीटर चट्टान और हिमनद की बर्फ टूटकर नीचे आ गिरी।

करीब 1,200 मीटर नीचे लहेंदे खोला घाटी में गिरते ही यह विशाल द्रव्यमान चट्टानों, बर्फ, मिट्टी और पानी के प्रचंड प्रवाह में बदल गया। विनाशकारी मलबा-बाढ़ नेपाल-चीन सीमा से गुजरती हुई भोटेकोशी और त्रिशूली नदी घाटियों में फैल गई। इसकी तीव्रता इतनी अधिक थी कि दूरस्थ भूकंपीय उपकरणों ने भी कंपन दर्ज किया। इस वैज्ञानिक अध्ययन का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष उपग्रह से प्राप्त आंकड़े हैं। सेंटिनल-1 की रडार तकनीक ने 7 जुलाई से 24 अगस्त के बीच पर्वतीय ढलान में क्रमिक परिवर्तन दर्ज किया। इस तकनीक को इंटरफेरोमेट्रिक सिंथेटिक अपचर रडार कहा जाता है। इसके माध्यम से बादलों और अंधेरे की परिस्थितियों में भी धरातल की सूक्ष्म हलचलों का आकलन संभव है। हालांकि, 40 सेंटीमीटर का आंकड़ा

उपग्रह की दृष्टिरेखा की दिशा में मापा गया संचलन है, न कि पहाड़ के वास्तविक विस्थापन का संपूर्ण माप। फिर भी, यह बढ़ती अस्थिरता का एक महत्वपूर्ण संकेत था।

वैज्ञानिकों ने एक अन्य धारणा में भी संशोधन किया है। प्रारंभ में इस बाढ़ को हिमनद झील के फटने की घटना माना जा रहा था, लेकिन अध्ययन के अनुसार, इसका प्रमुख कारण आधारशिला का व्यापक रूप से टूटना था। चट्टानें अपने ऊपर स्थित हिमनद की बर्फ को साथ लेकर नीचे गिरीं और इससे विनाशकारी मलबा प्रवाह उत्पन्न हुआ। वैज्ञानिकों ने कई संभावित कारणों की पहचान की है। इनमें भूगर्भीय दरारें,



वर्ष 2015 के नेपाल भूकंप से उत्पन्न क्षति, स्थायी रूप से जमी भूमि का पिघलना, हिमनदों में परिवर्तन और बर्फ के भार में उतार-चढ़ाव शामिल हैं। बढ़ता तापमान ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जमी बर्फ और चट्टानों के बीच प्राकृतिक बंधन को कमजोर कर सकता है। हालांकि, वैज्ञानिकों ने अभी किसी एक कारण को निर्णायक रूप से जिम्मेदार नहीं ठहराया है। इस आपदा ने मौजूदा पूर्व चेतावनी प्रणालियों की सीमाएं भी उजागर की हैं। अधिकांश व्यवस्थाएं वर्षा, नदी के जलस्तर और संभावित बाढ़ पर केंद्रित हैं। लेकिन जब हजारों मीटर की ऊंचाई से करोड़ों घनमीटर चट्टान और बर्फ अचानक टूटकर गिरती है, तब नीचे स्थापित जलस्तर मापक उपकरण पर्याप्त समय पहले चेतावनी देने में सक्षम नहीं होते। नेपाल की घटना में चेतावनी संदेश पहाड़ टूटने के लगभग

38 मिनट बाद भेजे गए। तब तक विनाशकारी प्रवाह कई प्रभावित बस्तियों से गुजर चुका था। यह चेतावनी भारत, विशेषकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। फरवरी 2021 की ऋषिगंगा-धौलीगंगा आपदा में भी ऊंचाई पर चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटने से विनाशकारी बाढ़ उत्पन्न हुई थी। इस घटना ने तपोवन-विष्णुगाड़ परियोजना सहित नदी घाटी के बुनियादी ढांचे को भारी क्षति पहुंचाई। केदारनाथ की 2013 की त्रासदी और हिमालय की अन्य घटनाएं बताती हैं कि पर्वतीय आपदाओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, लेकिन निचले इलाकों में बसे

समुदायों के लिए उनके परिणाम अत्यंत गंभीर होते हैं। उत्तराखंड में वसुंधरा ताल जैसी संवेदनशील हिमनद झीलों की निगरानी की पहल उपयोगी है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था को केवल झीलों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। ऊंचे पर्वतीय ढलानों, हिमनदों, अस्थिर चट्टानों और नदी घाटियों का संयुक्त जोखिम मानचित्र तैयार करना होगा।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान और आपदा प्रबंधन एजेंसियों के बीच नियमित वैज्ञानिक समन्वय आवश्यक है। उपग्रहों से संवेदनशील ढलानों की पहचान करने के बाद वहां भू-संचलन मापक उपकरण, स्वचालित मौसम केंद्र, भूकंपीय संवेदक और नदी प्रवाह निगरानी प्रणालियां स्थापित की जा सकती हैं।

प्रमोद कुमार बाजपेयी

लिव-इन रिलेशनशिप या सह-जीवन आधुनिक समाज की एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें दो वयस्क बिना किसी कानूनी या पारंपरिक विवाह के एक ही छत के नीचे पति-पत्नी की तरह साथ रहते हैं। यह अवधारणा केवल आधुनिक जीवनशैली नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक गहरा दार्शनिक और समाजशास्त्रीय आधार है। यद्यपि 'लिव-इन रिलेशनशिप' शब्द पश्चिमी आधुनिकता की देन लगता है, लेकिन बिना पारंपरिक विवाह के दो वयस्कों का साथ रहना इतिहास में अलग-अलग रूपों में मौजूद रहा है। पश्चिमी समाजों में 1960 और 1970 के दशकों की यौन क्रांति और नारीवादी आंदोलनों के बाद इस व्यवस्था को गति मिली, जिसमें महिलाओं ने 'माय बॉडी, माय चॉइस' का नारा बुलंद किया। महिलाओं की आर्थिक आजादी और गर्भनिरोधक साधनों की सुलभता ने विवाह की अनिवार्यता को कम किया।

महान फ्रांसीसी लेखक व दार्शनिक वोल्तेयर और प्रसिद्ध वैज्ञानिक एमिली डू शेतेले तथा फ्रांस के ही प्रसिद्ध दार्शनिक सिमोन द बोउवार और ज्यां-पॉल सार्त्र को पाश्चात्य इतिहास का सबसे चर्चित और प्रभावशाली लिव-इन जोड़ा माना जाता है। दुनिया की सबसे प्रभावशाली महिलाओं में शुमार मीडिया पर्सनैलिटी ओप्रा विन्फ्रे और उनके पार्टनर स्टेडमैन ग्राहम 1986 से लिव-इन में रह रहे हैं। प्राचीन भारत में गंधर्व विवाह का प्रचलन था, जिसमें माता-पिता की सहमति या किसी धार्मिक अनुष्ठान के बिना स्त्री और पुरुष आपसी सहमति से एक-दूसरे को चुनकर

परंपरा से हटकर सह-जीवन के यक्ष प्रश्न



साथ रहने लगते थे। आज भी मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान के आदिवासी समुदायों में प्रचलित नाता प्रथा के अंतर्गत कोई भी स्त्री-पुरुष अपनी मर्जी से एक-दूसरे के साथ रह सकते हैं। उत्तर प्रदेश के कुछ जातीय समुदायों में स्त्री-पुरुष अपनी मर्जी से विवाह किए बिना साथ रह सकते हैं, जिसको 'घर बैठना' कहते हैं। यदि भारत के प्राचीन आख्यानो को खंगाला जाए, तो विवाह बंधन में बंधे बिना अनेक विभूतियों के साथ रहने और बच्चे पैदा होने के प्रसंग मिलते हैं। प्राचीन काल से ही व्यक्तिवादियों द्वारा विवाह संस्था को चुनौती मिलती रही है, क्योंकि इसमें हमेशा बंधन में जीना होता है, जबकि सह-जीवन स्वतंत्र इच्छा, विश्वास और आपसी प्रेम पर आधारित है।

दार्शनिक ज्यां-पॉल सार्त्र और सिमोन द बोउवार जैसे विचारकों का मानना था कि यदि पारंपरिक विवाह किसी के लिए मानसिक तनाव या हिंसा का कारण बन रहा है, तो लिव-इन को एक ऐसे विकल्प के रूप में देखा जा सकता है, जो बिना कानूनी जटिलताओं (जैसे तलाक की लंबी प्रक्रिया) के

अलग होने की आजादी देता है। कुछ शोध बताते हैं कि वैवाहिक कानूनों की जटिलताओं, भरण-पोषण जैसी बाध्यताओं और तलाक की लंबी प्रक्रियाओं के चलते ही लोग लिव-इन की तरफ प्रेरित हो रहे हैं। दहेज का भारी खर्च व पारंपरिक विवाह उद्योग के दिखावटी प्रपंचों से विवाह का व्यय क्षमता से अधिक हो जाता है।

रही बात सामाजिक मान्यता की, तो आर्थिक आजादी और कैरियर के कारण घर से दूर रहने वाले युवा इसकी परवाह नहीं करते। समाज इसे उच्छृंखल व्यवहार मानते हुए मान्यता नहीं देता है। दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के अभाव के चलते ऐसे रिश्ते अमूमन ऐसे मोड़ पर खत्म होते हैं, जहां से सभी रास्ते बंद हो चुके होते हैं। महाराष्ट्र में समान नागरिक संहिता और लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े मुद्दों पर जनता से राय मांगी जा रही है। महाराष्ट्र सरकार की ओर से सर्वोच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजना देसाई की अध्यक्षता में बनाई गई समिति ने लोगों से सुझाव लेने हेतु एक वेबसाइट शुरू की है। सरकारें

सह-जीवन व इससे जुड़े मुद्दों को लेकर गंभीर हैं और समान नागरिक संहिता के साथ-साथ पारिवारिक एवं यौन हिंसा, संपत्ति के अधिकार व भरण-पोषण, बच्चों की परवरिश व जिम्मेदारी तथा धार्मिक आधार पर होने वाले भेदभाव से संबंधित कानून बनाने हेतु रायशुमारी कर रही हैं। समाजशास्त्रीय दृष्टि से लिव-इन रिलेशनशिप को सामाजिक संरचना व विवाह और परिवार के पारंपरिक ढांचे में बदलाव के रूप में देखा जाता है, जहां व्यक्ति अपनी चाहत को सामाजिक बंधनों से ऊपर रखता है।

आज की युवा पीढ़ी विवाह जैसी स्थायी संस्था में कदम रखने से पहले भावनात्मक, वित्तीय और शारीरिक अनुकूलता की जांच करने के लिए लिव-इन को एक 'टेस्ट रन' या 'ट्रायल पीरियड' मानती है। कुछ लोग इसे लैंगिक समानता के हक में तथा पारंपरिक विवाह और पितृसत्तात्मक मानदंडों के खिलाफ युवा पीढ़ी की बगावत के रूप में भी देखते हैं। भारतीय समाज भले ही इसे पूरी तरह स्वीकार न कर पाया हो, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने कई ऐतिहासिक फैसलों में स्पष्ट किया है कि दो वयस्कों का सहमति से साथ रहना कोई अपराध या पाप नहीं। लंबे समय तक चलने वाले लिव-इन संबंधों को शादी जैसा माना जा सकता है और महिलाओं को घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के तहत संरक्षण व भरण-पोषण का अधिकार भी प्राप्त हो सकता है। यह देखना अहम होगा कि समाज इसे कब तक एक सामाजिक अपराध की दृष्टि से देखता रहेगा, जबकि सरकार व कानून अपने नजरिये में बदलाव कर रहे हैं। समय आ गया है कि बदलते परिवेश में समाज अपनी मान्यताएं बदले।



पूजा विधि

करवा चौथ के दिन सुबह ही स्नान कर लेना चाहिए। इसके बाद साफ वस्त्रों को धारण करें। अब पूजा करने के लिए सभी सामग्रियों को एकत्रित कर लें। फिर घर के मंदिर की दीवारों पर गेरु से फलक बनाकर करवा का चित्र बनाएं। इसके बाद महिलाएं मुहूर्त के अनुसार पूजा स्थान पर अपना स्थान लें, और करवा माता की कथा सुनें। कथा के बाद सभी बड़ों का आशीर्वाद लें। शाम के समय आप एक चौकी लगाएं, उसपर लाल रंग का वस्त्र बिछाएं। फिर उसपर पर करवा माता की तस्वीर स्थापित कर लें, और चौकी के पास एक दीया जलाएं। इस दौरान एक करवा चावल भरकर उसे दक्षिणा के रूप में रख दें।

तिथि

इस साल करवा चौथ का व्रत 29 अक्टूबर 2026 को रखा जाएगा। हिंदू पंचांग के अनुसार, चतुर्थी तिथि की शुरुआत 29 अक्टूबर को सुबह 01 बजकर 06 मिनट से लेकर 29 अक्टूबर को रात 10 बजकर 09 मिनट तक रहेगी।

ना करें ये गलतियां

करवा चौथ का पर्व पति-पत्नी के बीच के रिश्ते को मजबूत करने और अखंड सौभाग्य पाने का होता है। इसलिए इस दिन सोलह श्रृंगार जरूर करें। सोलह श्रृंगार न सिर्फ सुहाग का प्रतीक होता है बल्कि यह शुभता को भी दर्शाता है। बिना सोलह श्रृंगार के पूजा करने की गलती ना करें। करवा चौथ के दिन बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लेने का बड़ा महत्व है। लिहाजा इस दिन बड़े-बुजुर्गों का अपमान करने की गलती न करें, वरना विधि-विधान से पूजा करने के बाद भी उसका पूरा फल नहीं मिलेगा। करवा चौथ के दिन शुभ रंग पहनना चाहिए जैसे- लाल, हरे या पीले रंग। करवा चौथ के दिन नीले, काले या भूरे रंग के कपड़े पहनने की गलती ना करें। इन तीनों रंगों का संबंध शनि देव से है और करवा चौथ के दिन ये रंग पहनना आपके जीवन पर संकट ला सकता है। साथ ही वैवाहिक जीवन में समस्याएं पैदा कर सकता है। करवा चौथ के दिन सफेद रंग के कपड़े भी ना पहनें। करवा चौथ के दिन श्रृंगार के सामान का दान ना करें। ना ही इस दिन चांदी, दूध, दही या सफेद चावल दान करें।

करवा चौथ के व्रत से वैवाहिक समस्याएं होती हैं दूर

करवा चौथ व्रत को बहुत कठिन माना जाता है। मान्यता है करवा चौथ का व्रत रखने से पति की उम्र लंबी होती है और वैवाहिक जीवन में खुशियां आती हैं। यदि वैवाहिक जीवन में तनाव या समस्याएं हों तो करवा चौथ का व्रत करने से वे दूर हो जाती हैं। करवा चौथ का व्रत हर साल कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। उस दिन कार्तिक संकष्टी चतुर्थी होती है, जिसे वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी कहते हैं। करवा चौथ पर करवा माता की पूजा की जाती है और पूजा के बाद चंद्र दर्शन करते हुए अर्घ्य देकर पति के हाथों से पानी पीकर व्रत का पारण किया जाता है। इसके बिना करवा चौथ का व्रत पूरा नहीं होता है। इस त्योहार पर सुहागिन महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं करवा चौथ पर विशेष रूप भगवान गणेश और चंद्रदेव की पूजा का विधान है। करवा चौथ का व्रत सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु और सुख समृद्धि के लिए रखती हैं।

पूजा मुहूर्त

करवा चौथ पर शाम को करवा माता, भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने का विधान होता है। इस दिन पूजा के लिए शाम का मुहूर्त 5 बजकर 38 मिनट से लेकर 6 बजकर 56 मिनट तक रहेगा। वहीं इस दिन चंद्रोदय के निकलने का समय करीब रात 8 बजकर 17 मिनट तक रहेगा।

क्या करें

करवा चौथ के व्रत के लिए कुछ खास नियम का पालन करना व्रती महिलाओं के लिए बहुत आवश्यक होता है। अन्यथा आपका व्रत का पूर्ण फल नहीं मिलता है। करवा चौथ पर विवाहित महिलाओं को 16 श्रृंगार करना चाहिए। साथ ही हाथों में मेहंदी भी जरूर लगानी चाहिए। जो महिलाएं करवा चौथ पर 16 श्रृंगार करके करवा माता की पूजा करती हैं, उन्हें अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है। लाल रंग सुहागिन की निशानी होती है, इसीलिए इस दिन लाल रंग के कपड़े जरूर पहनने चाहिए। इसके अलावा हाथ में गेहूं के दाने और दूर्वा लेकर पूरे श्रद्धा भाव से करवा चौथ की व्रत कथा सुनें या पढ़ें। कथा पूरी होने के बाद करवे को आपस में सात बार घुमाया (फेरा किया) जाता है। पूजा संपन्न होने के बाद अपनी सास के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लें और उन्हें सुहाग की सामग्री, साड़ी व मिठाई (बयाना) भेंट करें।



हंसना मना है

पत्नी- आपको मेरी सुंदरता ज्यादा अच्छी लगती है या मेरे संस्कार? पति- मुझे तो तेरी ये मजाक करने की आदत बहुत अच्छी लगती है।

शादी के वक्त भाई समझौता दोनों ही करते हैं। स्त्री- अपने मां बाप व मायका छोड़ देती हैं और पुरुष अपने सुख-शांति व अच्छे दिनों की उम्मीद।

पंडितजी की कथा और अपने बीवी की व्यथा बिलकुल एक जैसी होती है समझ में तो कुछ ज्यादा नहीं आता, फिर भी उसे ध्यान लगाकर सुनने का नाटक करना ही पड़ता है..

एक बेरोजगार का दर्द... यहां रेलवे ग्रुप डी की तैयारी नहीं हो पा रही... और सोनी मैक्स पर हीरालाल ठाकुर की बहू हर हफ्ते आईएएस क्लियर कर देती है...

शाम को पति के घर आते ही पत्नी ने किच-किच शुरू कर दी, परेशान पति- अरे यार दिनभर का थका-हारा आया हूं, पहले फ्रेश तो होने दो.. पत्नी - मैं भी तो दिनभर अकेली थी, तो मैं भी फ्रेश ही हो रही हूं...

मास्टर जी- शांति किसके घर में रहती है... पप्पू- जिस घर में पति और पत्नी दोनों मोबाइल चलाते हैं...

कहानी

मां की महिमा

एक बार किसी व्यक्ति ने स्वामी विवेकानंद से सवाल किया, दुनिया में मां की महिमा इतनी क्यों है और इसका कारण क्या है? इस सवाल को सुनने के बाद स्वामी जी के चेहरे पर मुस्कान फैल गई। जवाब देने के लिए उन्होंने उस व्यक्ति के सामने एक शर्त रखी। शर्त के अनुसार उस व्यक्ति को 5 किलो के पत्थर को एक कपड़े में लपेट कर उसे अपने पेट पर 24 घंटे तक बांधना था और फिर स्वामी जी के पास जाना था। इसके बाद उसे अपने सवाल का जवाब मिलना था। स्वामी जी के कहे अनुसार उस व्यक्ति ने एक पत्थर को अपने पेट पर बांधा और वहां से चला गया। अब उसे पत्थर बांधे-बांधे ही अपना सारा दिनभर का काम करना था, लेकिन उसके लिए ऐसा करना मुश्किल हो रहा था। पत्थर के बोझ के कारण वह जल्दी थक गया। दिन तो जैसे-तैसे गुजर गया, लेकिन शाम होते-होते उसकी हालत खराब हो गई। जब उससे रहा नहीं गया, तो वह सीधा स्वामी जी के पास गया और बोला, स्वामी जी मैं इस पत्थर को ज्यादा समय तक बांधकर नहीं रख सकता। सिर्फ एक सवाल का जवाब जानने के लिए मैं इतना कष्ट नहीं सह सकता। उस व्यक्ति की बात सुनकर स्वामी जी मुस्कुराते हुए बोले, तुम 24 घंटे भी पत्थर का भार संभाल नहीं सके और मां अपनी कोख में बच्चे को नौ महीने तक रखती है और सभी तरह के काम करती है। इसके बाद भी उसे जरा भी थकान महसूस नहीं होती। इस पूरे संसार में मां जैसा और कोई नहीं है, जो इतना शक्तिशाली और सहनशील हो। मां तो शीतलता और सहनशीलता की मूरत है। कहानी से सीख: स्वामी विवेकानंद जी इस कहानी के माध्यम से लोगों को यह सीख देना चाहते थे कि इस संसार में मां जितना धैर्यवान और सहनशील कोई और नहीं है। मां से बढ़कर इस दुनिया में कुछ नहीं हो सकता।

7 अंतर खोजें



जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

मेघ 	बुद्धिमत्ता से सभी कठिन कार्य निपटेंगे। व्यापारिक सौदों में अच्छा फायदा होगा। मित्रों के साथ संबंध मधुर रहेंगे। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।	तुला 	प्रभाव और अधिकारों में वृद्धि होगी। साझेदारी के काम में उत्तम लाभ मिलेगा। पारिवारिक रिश्तों में मधुरता आएगी। धन प्राप्ति के योग बने हुए हैं।
वृषभ 	दफ्तर में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। व्यापार में नया निवेश लाभ देगा। पारिवारिक जीवन में सौहार्द रहेगा। अटका हुआ धन मिलने से राहत मिलेगी।	वृश्चिक 	कार्यस्थल पर विरोधियों पर विजय मिलेगी। व्यापार में नए प्रयोग से फायदा होगा। परिजनों का सहयोग मनोबल बढ़ाएगा। अवाक धन लाभ होने की उम्मीद है।
मिथुन 	करियर में उन्नति के नए अवसर मिलेंगे। आपकी बातचीत से नए ग्राहक जुड़ेंगे। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। आय के नए स्रोत सामने आ सकते हैं।	धनु 	बौद्धिक कार्यों में बड़ी सफलता मिलेगी। नए व्यावसायिक संपर्कों से लाभ होगा। संतान पक्ष से खुशी का समाचार मिलेगा। आय में वृद्धि होने के स्पष्ट संकेत हैं।
कर्क 	वरिष्ठों के सहयोग से काम आसान होगा। व्यावसायिक यात्राओं से लाभ मिलेगा। परिवार में सुख-शांति का माहौल रहेगा। धन संचय करने में सफलता मिलेगी।	मकर 	जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, शांत होकर काम करें। व्यापार में जल्दबाजी में निर्णय न लें। परिवार के साथ मिलकर विवाद सुलझाएं। बजट का ध्यान रखें, संतुलित रहें।
सिंह 	आपकी कार्यशैली की तारीफ होगी। व्यापार में मुनाफा बढ़ने की संभावना है। दांपत्य जीवन में सुख और प्यार रहेगा। आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी।	कुम्भ 	चतुराई से सभी कार्य आसानी से निपटाएंगे। व्यापार में नए अनुबंधों पर हस्ताक्षर होंगे। प्रियजनों के साथ खुशनुमा समय बीतेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।
कन्या 	काम में सजग रहें, लापरवाही से बचें। लेन-देन के मामलों में लिखा-पढ़ी रखें। अपनों के साथ धैर्यपूर्वक बात करें। फालतू खर्चों पर नियंत्रण रखें।	मीन 	आपके सुझावों को सराहना मिलेगी। व्यापार में नए मौके प्राप्त होंगे। परिवार में खुशहाली रहेगी। धन प्राप्ति के कई मार्ग खुलेंगे। मानसिक शांति महसूस होगी।

केदारनाथ धाम पहुंची सारा, कीं पूजा-आरती

सारा अली खान एक बार फिर केदारनाथ पहुंची हैं। सारा की फिल्म उड़ता तीर बीते शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस बीच वह रविवार को हेलीकॉप्टर से केदारनाथ मंदिर पहुंची। उन्होंने वहां तीन दिन बाबा केदार की पूजा और आरती में हिस्सा लिया। एक्ट्रेस के वहां पहुंचने के बीच बर्फबारी भी शुरू हुई है। ऐसे में सारा को कड़ाके की ठंड में मंदिर के बाहर कतार में लगकर कांपते हुए भी देखा गया है। 31 साल की एक्ट्रेस की यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि कुछ महीने पहले ही केदारनाथ मंदिर में गैर-सनातनियों के प्रवेश और आस्था संबंधी प्रमाणपत्र को लेकर खूब चर्चा रही है।

सोशल मीडिया पर केदारनाथ पहुंची सारा अली खान की कई तस्वीरें सामने आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, उन्होंने मंदिर पहुंचकर कोई सेलेब्रिटी ट्रिटमेंट नहीं लिया है, बल्कि आधे-आधे घंटे कतार में खड़ी नजर आई हैं। सारा के साथ उनके कुछ दोस्त भी पहुंचे हैं। उन्होंने वहां केदारनाथ के रक्षक देवता बाबा भुक्तंत भैरव की पूजा-अर्चना भी की।



सारा ने कहा- मैं जो हूँ, बाबा आपके कारण

सारा अली खान ने अपनी हालिया केदारनाथ यात्रा की तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी शेयर की। तस्वीरों में वह मंदिर में प्रार्थना करते हुए नजर आई और साथ ही इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, मुझे अगले साल फिर से वापस बुलाएं। जय श्री केदार। दुनिया की इकलौती ऐसी जगह जो पूरी तरह से जानी-पहचानी लगती है। फिर भी हर बार मुझे हैरान कर देती है। बस, धन्यवाद। मेरे पास जो कुछ भी है, वह सब मुझे देने के लिए। आज मैं जो हूँ, वह बनाने के लिए धन्यवाद।

मैं चाहती हूँ सबकुछ सही समय पर हो: कीर्ति

कीर्ति सुरेश इन दिनों अपनी आने वाली सीरीज अक्का को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस सीरीज में वह अभिनेत्री राधिका आप्टे के साथ दिखाई देंगी। बता दें कि साउथ अभिनेत्री कीर्ति ने 2024 में वरुण धवन स्टारर फिल्म 'बेबी जॉन' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में आने और काम करने को लेकर बात की। कीर्ति ने बताया कि वह हिंदी सिनेमा में काम करना चाहती थीं, लेकिन इसके लिए उन्हें कोई जल्दबाजी नहीं थी। वह चाहती थीं कि सब कुछ सही समय पर अपने आप हो।

कीर्ति ने पीटीआई से बात करते हुए कहा, मैं निश्चित रूप से किसी समय हिंदी सिनेमा में काम करना चाहती थी और आखिरकार ऐसा हुआ। इसकी शुरुआत अक्का से हुई। इस बीच बेबी जॉन आई और उसके बाद



मैंने राजकुमार राव के साथ रफ्तार नाम की फिल्म की। यह फिल्म भी जल्द रिलीज होनी चाहिए। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं किसी रेस में नहीं हूँ। ऐसा नहीं है कि मुझे बहुत सारी फिल्मों में काम करना है। मैं वही काम कर रही हूँ जो मुझे पसंद है। हिंदी सिनेमा में काम करने का मौका भी मुझे इसी तरह मिला। मैं इसके पीछे भाग नहीं रही थी। सब कुछ अपने आप सही समय पर हुआ और अब

देखूंगी कि इसे आगे कैसे बढ़ाना है। कीर्ति ने बताया कि धर्मा (निर्देशक) ने मेरी फिल्म सानी कायधम देखी थी। उसमें मेरा किरदार बेहद मजबूत और बेखौफ था, लेकिन उसके अंदर एक संवेदनशील पहलू भी था। मुझे हमारी पहली मुलाकात याद है। उन्होंने बताया कि उन्होंने यह फिल्म देखी है। तब मैंने उनसे कहा कि अब मैं समझ गई कि आप मुझे यह किरदार क्यों देना चाहते हैं।

अक्षय कुमार की फिल्म हैवान को बीते महीने सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म फ्लॉप रही, लेकिन उसमें नजर आने वाली अभिनेत्री सैयामी खेर ने अपनी अदाकारी से सबका दिल जीता था।

अब खबर आ रही है कि सैयामी आने वाले समय में विदेशी सिनेमा में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरती हुई नजर आएंगी। कलाकार को कुछ न कुछ नया करते रहना चाहिए। इसी दिशा में अभिनेत्री सैयामी खेर अपने करियर में एक नया अध्याय जोड़ने जा रही हैं। वह निर्देशक मैक्सिम कुजनेत्सोव की आगामी ड्रॉ-रूसी ड्रामा फिल्म से अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में कदम रखेंगी। इस फिल्म में भारत और रूस के कलाकार व क्रिएटिव टीम के सदस्य साथ काम कर रहे

हैं। फिल्म की कहानी ड्रामा पर आधारित है, जो सिनेमा के जरिए दो अलग-अलग संस्कृतियों को जोड़ने का प्रयास करेगी। भारत और रूस में शूट हुई इस फिल्म के दौरान सैयामी को एक नए सिनेमाई माहौल में काम करने का अवसर मिला। विदेशी वरु के साथ काम करने का उनका पहला अनुभव था।

सैयामी कहती हैं- उनके साथ काम करना शानदार अनुभव था। रूस में शूटिंग हुई है, जहां मैं पहली बार गई थी। मास्को बेहद खूबसूरत शहर है। वहां काम करने का माहौल मेरे अब तक के अनुभवों से काफी अलग था।



विदेशी सिनेमा की डगर चलीं सैयामी खेर

फिर मां बनेंगी अनुष्का शर्मा

अनुष्का शर्मा लंबे वक्त से एक्टिंग फील्ड से दूर हैं, हालांकि वो फैंस के बीच फिर भी काफी सुर्खियों में रहती हैं। एक्ट्रेस आए दिन भगवान की भक्ति में डूबी हुई नजर आती हैं। हाल ही में मुंबई में फिर से वो भक्ति गीतों में लीन दिखाई दीं। हालांकि मुंबई में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद सोशल मीडिया पर अनुष्का शर्मा की प्रेग्नेंसी की चर्चा शुरू हो गई है।

बता दें कि 25 अक्टूबर को अनुष्का शर्मा अपने पति और दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली के साथ मुंबई के SVP स्टेडियम के डोम में आयोजित हुए अमेरिकी भक्ति गायक कृष्णा दास के लाइव कीर्तन में शामिल हुई थीं। भजन-कीर्तन के दौरान अनुष्का पूरी तरह भक्ति में डूबी

रहीं और ताली बजाकर भजनों का आनंद लिया। जबकि उनके पास बैठे विराट कोहली भी भक्ति गीतों पर आंख बंद करके भजनों को एंजॉय करते हुए दिखाई दिए।

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली के फोटोज और वीडियो सामने आने के बाद फैंस ने एक्ट्रेस की प्रेग्नेंसी से जोड़ते हुए रिएक्शन दिया है। एक यूजर ने लिखा, एक यूजर ने लिखा, क्या सिर्फ मुझे ही ऐसा लग रहा है कि अनुष्का शर्मा प्रेग्नेंट हैं? वहीं कुछ यूजर्स ने अनुष्का शर्मा की प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर मजेदार रिएक्शन दिया। एक यूजर ने लिखा, अनुष्का को भी ट्विटर से ही पता चलता होगा कि वो प्रेग्नेंट हैं। बता दें कि अभी तक विराट और अनुष्का की तरफ से प्रेग्नेंसी रूमर्स पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

एक बेटी और एक बेटे के पेरेंट्स हैं अनुष्का-विराट अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने एक दूसरे को कई सालों तक डेट किया था। इसके बाद कपल ने इटली में धूमधाम से दिसंबर 2017 में शादी रचा ली थी। फिर मुंबई और दिल्ली में रिसेप्शन दिए थे। शादी के करीब चार साल बाद विराट और अनुष्का ने अपने पहले बच्चे के रूप में बेटी वामिका का साल 2021 में वेलकम किया था। जबकि दूसरी बार दोनों को पेरेंट्स बनने का सुख फरवरी 2024 में मिला। तब अनुष्का ने बेटे अकाय को जन्म दिया था। अब अनुष्का के तीसरी बार प्रेग्नेंट होने की अफवाहें हैं।



शाउथ की मशहूर अभिनेत्री श्रीनिधि शेड्डी ने

साल 2018 में कन्नड़ फिल्म केजीएफ-चैप्टर 1 से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था। इस फिल्म के बाद वह घर-घर में पहचानी जाने लगीं। केजीएफ की सफलता के बाद श्रीनिधि शेड्डी ने हिट-द थर्ड केस, कोबरा और तेलुगु कडा जैसी फिल्मों में राम किया। 8 साल के करियर में उनकी

चुनिदा फिल्में आईं। ऐसे कयास लगाए जाते हैं कि केजीएफ की सफलता के बाद श्रीनिधि ने अपनी फीस 7 से 8 करोड़ रुपये प्रति फिल्म कर दी थी। अब खुद श्रीनिधि शेड्डी ने इन अफवाहों पर पहली बार चुप्पी तोड़ी है। स्क्रीन के साथ बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा कि पैसा उनके लिए मायने नहीं रखता है। बकौल श्रीनिधि-

केजीएफ के बाद श्रीनिधि ने बढ़ाई फीस!

KGF फिल्मों (चैप्टर 1 और चैप्टर 2) की सफलता के बाद कहा जा रहा है कि मैं 7 से 8 करोड़ रुपये मांग रही हूँ। मैंने अब तक कुछ ही फिल्मों में काम किया है। ऐसे में मैं इतनी बड़ी रकम कैसे मांग सकती हूँ? इसलिए, यह सिर्फ एक अफवाह है। अगर पैसा कमाना ही मेरा एकमात्र लक्ष्य होता तो मैं पिछले कुछ सालों में 30 से 40 फिल्मों में काम कर सकती थी लेकिन मैं सिर्फ पैसों के लिए फिल्में साइन नहीं करती। मैं अच्छी कहानियों और बेहतरीन किरदारों को प्राथमिकता देती हूँ।

आगरा पहुंचे दिलजीत ताज का किया दीदार

दिलजीत दोसांझ इन दिनों अपने इंडिया टूर को लेकर चर्चा में हैं। दिल्ली में होने वाले अपने कॉन्सर्ट से पहले दिलजीत आगरा पहुंचे और यहां उन्होंने दुनिया के मशहूर सात अजूबों में शामिल ताजमहल का दीदार किया। भारी सिक्क्योरिटी के साथ वो वहां पहुंचे, और अपना एक्सपीरियंस भी शेयर किया। दिलजीत ने ताजमहल विजिट का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वीडियो में वो ताजमहल के आसपास घूमते और अलग-अलग जगहों पर पोज देते नजर आ रहे हैं। अपने अंदाज में दिलजीत हाथ जोड़कर



सभी से मिल रहे थे। वीडियो शेयर करते हुए दिलजीत ने कैप्शन में लिखा- वाह ताज बोलिए। वीडियो में दिलजीत ने वॉइस ओवर भी दिया, जिसमें वो ये कहते सुनाई दे रहे हैं- अरे हुजूर, वाह ताज बोलिए। हम इंडिया आए हैं, तो शुरुआत यहीं से होनी चाहिए।

एमपी में जहरीली शराब से मौत पर गरमाई सियासत

» कांग्रेस ने भाजपा सरकार को घेरा

» भाजपा बोली- मौत पर राजनीति कर रही कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। जहरीली शराब से देवास में 20 से अधिक मौतों के मामले में राज्य की सियासत गरमा गई है। कांग्रेस ने भाजपा को आड़े हाथों लिया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने थाना प्रभारी से लेकर पुलिस अधीक्षक तक की जवाबदेही तय करने, शराब माफिया के पूरे नेटवर्क की जांच और आबकारी विभाग पर कार्रवाई की मांग की। पटवारी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर निष्पक्ष जांच और केंद्रीय हस्तक्षेप की मांग भी की है। मध्य प्रदेश में जहरीली शराब से मौतों को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने एमपी सरकार पर निशाना साधा है। देवास के चांदाना और बिजासन गांवों में 20 से अधिक मौतों का हवाला देते हुए उन्होंने शराब माफिया पर कार्रवाई और पुलिस-प्रशासन की

शराब माफिया सरकार चला रहा है : जीतू पटवारी

पटवारी ने आरोप लगाया कि मंत्रालय की पांचवीं मंजिल पर शराब माफिया सरकार चला रहा है। पटवारी ने कहा कि जिस थाना क्षेत्र में अवैध शराब बिकती है, वहां के थाना प्रभारी के साथ पुलिस अधीक्षक पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि देवास में शुरुआत में प्रशासन जहरीली शराब से मौतों की बात से इनकार करता रहा, जबकि बाद में मामले में गिरफ्तारी हुई। उन्होंने कहा कि सरकार घटना को छिपाने के बजाय निष्पक्ष जांच कराए और प्रभावित परिवारों को न्याय दे। वे देवास जाकर पीड़ित परिवारों से मिलेंगे और कलेक्टर से चर्चा करेंगे।

जवाबदेही तय करने की मांग की।

पटवारी ने सागर में

जहरीली शराब से

हुई मौतों की

जांच के लिए

गठित

आयोग की

रिपोर्ट में

देरी पर भी

सवाल

उठाए।

उन्होंने केंद्रीय

गृह मंत्री अमित

शाह को पत्र

पटवारी ने अमित शाह को लिखा पत्र सागर से देवास तक उठाए सवाल

नशे के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति : खंडेलवाल

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस मौत जैसे संवेदनशील मुद्दे पर भी राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी कारण से हुई मौत दुःखद है। ऐसे मामलों में आरोप-प्रत्यारोप करने के बजाय दोषियों की पहचान और उनके खिलाफ कार्रवाई पर ध्यान देना चाहिए। मंगलवार को जारी बयान में खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार नशामुक्त भारत अभियान चला रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार भी नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि किसी भी घटना में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और निष्पक्ष जांच के बाद जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होगी। खंडेलवाल ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में देश को 31 दिसंबर 2029 तक नशे के अवैध कारोबार से मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए वर्ष 2026 से 2029 तक की समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की गई है। इसमें नशे के नेटवर्क पर कार्रवाई, खुफिया जानकारी के आधार पर जांच, राज्यों के बीच समन्वय और युवाओं को नशे से बचाने पर जोर दिया जा रहा है। नशे की लत से प्रभावित लोगों के उपचार और पुनर्वास पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

व्यापारियों की चिंता है तो चांदनी चौक में मार्च क्यों निकाल रही भाजपा : देवेन्द्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस की एक नवंबर को रामलीला मैदान में प्रस्तावित वोट बचाओ, देश बचाओ रैली से व्यापारियों को नुकसान होने की आशंका जताने वाली भाजपा पर अब कांग्रेस ने उसी की शैली में पलटवार किया है। कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि अगर भाजपा को व्यापारियों के कारोबार की इतनी चिंता है तो वह बुधवार को करवा चौथ के दिन चांदनी चौक जैसे व्यस्त बाजार में मार्च क्यों निकाल रही है?



कांग्रेस ने भाजपा के 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान को दोहरे मापदंडों वाला बताते हुए कहा कि दूसरों के कार्यक्रम से व्यापारियों को नुकसान की आशंका जताने वाली पार्टी को अपने मार्च के संभावित असर पर भी जवाब देना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने भाजपा के प्रस्तावित मार्च पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी एक तरफ व्यापारियों की हितैषी होने का दावा करती है, वहीं दूसरी तरफ त्योहार के दौरान एशिया के बड़े व्यापारिक बाजारों में शुमार चांदनी चौक में राजनीतिक मार्च निकालने जा रही है। उधर दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि उसे 1 नवंबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक रामलीला मैदान में कांग्रेस की प्रस्तावित रैली के आयोजन को लेकर किसी तरह की कोई आपत्ति नहीं है। पुलिस की तरफ से मंगलवार की शाम को यह स्पष्टीकरण तब आया जब कांग्रेस ने दावा किया कि पुलिस ने उसे रामलीला मैदान में रैली आयोजित करने को लेकर अनुमति नहीं दी है।

करतारपुर साहिब कॉरिडोर खुलवाए केंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने केंद्र सरकार से श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर को दोबारा खोलने और इसे लगातार चालू रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि धार्मिक भावनाओं को राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए और सिख संगत को पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब में नतमस्तक होने के लिए निर्बाध सुविधा मिलनी चाहिए। इस संबंध में पंजाब विधानसभा ने केंद्र सरकार से कॉरिडोर खोलने की मांग वाला प्रस्ताव पारित किया। विधानसभा में इस मुद्दे पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी के प्रति संगत की आस्था का सम्मान किया जाना चाहिए।

धार्मिक मामलों में संकीर्ण राजनीतिक विचारों के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कॉरिडोर को दोबारा खोलने से श्रद्धालु अपनी आध्यात्मिक इच्छाओं को पूरा कर सकेंगे और ऐतिहासिक



गुरुद्वारा दरबार साहिब के दर्शन कर पाएंगे। शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस की ओर से पेश प्रस्ताव में केंद्र सरकार से कॉरिडोर को फिर से खोलने और इसे लगातार चालू रखने के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील की गई। प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि केंद्र सरकार पाकिस्तान के साथ बातचीत करे, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षित और सुचारु आवाजाही सुनिश्चित हो सके। प्रस्ताव के

पंजाब विधानसभा में प्रस्ताव पारित, सीएम मान की केंद्र से हस्तक्षेप की अपील

अनुसार, करतारपुर साहिब कॉरिडोर केवल भारत और पाकिस्तान के बीच आने-जाने का मार्ग नहीं है, बल्कि यह सिख समुदाय की धार्मिक आस्था, विरासत और मानवीय संबंधों से जुड़ा हुआ है। कॉरिडोर पर पाबंदियों और प्रक्रियागत रुकावटों के कारण दुनिया भर में बसे सिख श्रद्धालुओं की भावनाएं प्रभावित होती हैं। हकी प्रतियोगिता के अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1928 के एम्स्टर्डम ओलंपिक से लेकर 2024 के पेरिस ओलंपिक तक पंजाब ने देश को 77 हॉकी ओलंपियन दिए हैं। इनमें से 48 खिलाड़ियों ने ओलंपिक पदक जीते हैं।

तीसरे टी20 में अभिषेक के तूफान में उड़ा न्यूजीलैंड

» भारत ने 13.2 ओवर में लक्ष्य चेज कर तोड़ा 12 साल पुराना रिकॉर्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वेलिंगटन। भारत ने तीसरे टी20 में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हरा दिया है। 199 रन का लक्ष्य भारत ने 13.2 ओवर में हासिल कर लिया। अभिषेक शर्मा के तूफान में कीवी उड़ गए। अभिषेक ने 38 गेंद में नौ चौके और 11 छक्कों की मदद से 113 रन की पारी खेली। वहीं, वैभव सूर्यवंशी ने 19 गेंद में 45 रन बनाए। इससे पहले न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल के नाबाद 89 रन के दम पर 198 रन बनाए थे। मिचेल के अलावा फिन एलन ने 40 रन बनाए थे। इस मैच में कुल 26 छक्के लगाए। न्यूजीलैंड की ओर से 11 छक्के लगे। वहीं, भारत की ओर से 15 छक्के लगे।

न्यूजीलैंड के बराबर छक्के तो अभिषेक शर्मा ने अकेले लगा दिए। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। भारत ने 40 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। यह किसी पूर्ण सदस्य देश द्वारा टी20 अंतरराष्ट्रीय में 190 या उससे ज्यादा रन के सफल चेज में सबसे तेज चेज है। इससे पहले भी किसी पूर्ण सदस्य द्वारा 190+ रन के सबसे तेज सफल चेज का रिकॉर्ड भारत के नाम था। उसने इसी साल

रायपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ 209 रन चेज करते हुए 28 गेंद शेष रहते मैच जीता था। वहीं, इस लिस्ट में पहले नंबर पर एस्टोनिया है। उसने 2024 में साइप्रस के खिलाफ 42 गेंद शेष रहते मैच जीता था। वहीं, तीसरे नंबर पर नीदरलैंड्स है। उसने 2014 में आयरलैंड के खिलाफ 37 गेंद शेष रहते मैच जीता था। भारत ने नीदरलैंड्स का 12 साल

पुराना रिकॉर्ड तोड़ा और दूसरे स्थान पर जगह बनाई। 199 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को वैभव और अभिषेक ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 43 गेंद में 133 रन की साझेदारी निभाई।



मंत्री का पद न मिलने से बहे लारमी के आंसू

» सुनील शर्मा ने सीएम उमर पर कसा तंज, बोले- उमर पोंछे एमएलए का आंसू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। भाजपा नेता और नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने कैबिनेट विस्तार के बाद नाराज नेकों विधायक अब्दुल मजीद लारमी के आंसुओं पर तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला उन्हें नहीं संभालेंगे तो वे उनके आंसू पोंछेंगे। प्रदेश में कैबिनेट विस्तार और नए मंत्रियों के शपथ ग्रहण पर शर्मा ने असंतुष्ट विधायकों के आंसू पोंछने के बयान से सियासत को गरमा दिया। उन्होंने विपक्ष के नाते नए मंत्रियों को शुभकामनाएं दीं, वहीं जनता की खिदमत करने की नसीहत भी दी।



शपथ समारोह के बाद लोकभवन के बाहर शपथ ग्रहण में नेकों के कई वरिष्ठ विधायकों के शामिल न होने व उपेक्षा से विधायक लारमी की आंखों में आंसू आने के सवाल पर सुनील शर्मा ने तंज कसते हुए कहा कि यह देखना मुख्यमंत्री का काम है। उमर का यह फर्ज बनता है कि वे अपने निराश विधायकों के पास जाएं और उनके आंसू पोंछें। अगर नहीं तो हम उनके आंसू पोंछेंगे। शर्मा ने कहा कि उम्मीद है कि मंत्री आवाम के लिए पूरी ईमानदारी के साथ मेहनत और काम करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार भ्रष्टाचार से बाहर निकल कर आम लोगों और जनता की खिदमत करे। जब पूछा कि भाजपा पहले से दावा करती रही है कि सरकार में अंदरूनी कलह से यह गिर जाएगी, तो क्या कैबिनेट विस्तार के बाद यह गिरने वाली है, इस पर शर्मा ने कहा, अभी तो शपथ ग्रहण हुए कुछ मिनट हुए हैं, एक घंटा भी नहीं बीता है। सरकार गिराने की इतनी भी क्या जल्दबाजी है। थोड़ा सब्र रखें, आगे-आगे देखिए क्या होता है। जल्दबाजी मत कीजिए। शर्मा के इस बयान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भले ही उमर कैबिनेट का विस्तार कर संख्या बल पूरा कर लिया हो, पर विपक्ष नेकों के भीतर उपेक्षित विधायकों के असंतोष और आंतरिक कलह पर पैनी नजर गड़ा बैठा है।

मंधाना ने वनडे में गंवाया शीर्ष स्थान, हरमनप्रीत को फायदा

दुबई। पूर्व भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर मंगलवार को आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में दो पायदान ऊपर आठवें स्थान पर पहुंच गईं। जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले दो मैचों में 32 और शून्य पर आउट होने वाली कप्तान स्मृति मंधाना ने इस लघु प्रदर्शन के कारण अपना शीर्ष स्थान गंवा दिया। उनकी जगह दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लीया वोल्वॉर्ट पहले नंबर पर काबिज हो गई हैं। टीप्टि ने बल्लेबाजी की सूची में चार स्थान ऊपर 23वां स्थान हासिल कर लिया है। वह ऑलराउंडरों की रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चौथे और गेंदबाजों की सूची में एक स्थान ऊपर आठवें स्थान पर पहुंच गई हैं। प्रतिका रावल ने सात पायदान ऊपर 21वें स्थान पर काबिज हो गई हैं। जिम्बाब्वे की तीन खिलाड़ी मोइस्टर मुपाफिका (पांच पायदान ऊपर 39वें स्थान पर), पिपो मुगेरी-तिरिपानो (चार पायदान ऊपर 47वें स्थान पर) और बिलड बिना (16 पायदान ऊपर 56वें स्थान पर) ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है। टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अपडेट के बाद शेफाली वर्मा (तीसरे) और मंधाना (चौथे) को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है।

योगी जी.. जो अधिकारी विस अध्यक्ष के सामने बना था शेर, क्यों हुआ पूंजीपतियों के आगे ढेर !

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क/प्रांजुल मिश्रा कानपुर। उपरोक्त हेडिंग पढ़ आप भी सोच रहे होंगे आखिर जो लिखा है इसका मतलब क्या है.. उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक ऐसा वाक्या हुआ था जिसने सभी को सोचने पर मजबूर कर दिया था कि क्या सच में अधिकारी जीरो टॉलरेंस नीति के तहत ही काम कर रहे हैं या मुख्य मंत्री जी को धोखा दे रहे हैं ? क्योंकि उत्तर प्रदेश विधानसभा में मुख्यमंत्री से ज्यादा पावर वाली कुर्सी में बैठे विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के सामने योगी जी का एक अधिकारी शेर बन बैठा था.. जिसे विधानसभा अध्यक्ष के गुस्से का भी सामना करना पड़ा था हालांकि एक मैनेजमेंट गुरु ने प्रकरण पर मिट्टी डालकर विस अध्यक्ष महाना का गुस्सा शांत करवा दिया था लेकिन वही अधिकारी अब पूंजीपतियों के आगे ढेर हो चुका है मानों पूरी तरह से नतमस्तक हो...!

यह बात है जून 2026 की जब अवैध निर्माण के खिलाफ कार्यवाही करने के उद्देश्य से कानपुर विकास प्राधिकरण के जोन 1ए का प्रवर्तन दस्ता निकला हुआ था विशेष अभियान के तहत अवैध निर्माणों को सील किया जा रहा था इसी दौरान प्रवर्तन प्रभारी अतुल राय ने बीजेपी से महाराजपुर विधानसभा के विधायक और उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के भाई बिट्टू महाना के पूर्व में हुए निर्माण के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई करते हुए



निष्पक्ष जांच करवा करके इन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी : सचिव

वह इस पूरे प्रकरण पर जब कानपुर विकास प्राधिकरण के सचिव अमय कुमार पाण्डेय से बात की गई तो उन्होंने बताया प्रकरण संज्ञान में आए हैं मामले की निष्पक्ष जांच करवा करके इन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बेसमेंट में चल रहे रेस्टोरेंट को सील करके चले आए थे , क्योंकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में अधिकारी शेर बनकर दिखावे की कार्यवाही तो करते हैं लेकिन सरकार की छवि को ढाल बनाकर दिखावे की इस कार्यवाही का इस्तेमाल भी खूब किया जा रहा है। इसके कई उदाहरण सामने हैं जहां पीठ पीछे स्व हित साधे गए ?

आर्थिक बढहाली की सच्चाई स्वीकार करे मोदी सरकार : जयराम रमेश

कांग्रेस ने महंगाई को लेकर केंद्र पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क नई दिल्ली। कांग्रेस ने बढ़ती महंगाई, कर्ज और कथित तौर पर घटती आमदनी को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सरकार को आर्थिक बढहाली की सच्चाई स्वीकार करनी चाहिए तथा रोजगार के अवसर बढ़ाने एवं महंगाई पर काबू पाने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह दावा भी किया कि केंद्र सरकार महंगाई की वास्तविक स्थिति छिपाने के लिए आंकड़ों को 'तोड़ो-मरोड़कर' पेश कर रही है और मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों का सबसे अधिक खामियाजा युवाओं तथा मध्यम वर्ग को भुगतना पड़ रहा है।



उन्होंने कहा, बढ़ती महंगाई, बढ़ता कर्ज, घटती कमाई, मोदी सरकार में मध्यम वर्ग के हिस्से आई सिर्फ तबाही। रमेश ने दावा किया कि अर्थव्यवस्था की स्थिति और रोजगार के घटते अवसरों से युवा पीढ़ी सबसे अधिक प्रभावित हो रही है। उनके मुताबिक, कंपनियां पहले की तुलना में कम भर्तियां कर रही हैं और कई लोगों की वर्षों पुरानी नौकरियां भी जा रही हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि महंगाई की तुलना में आमदनी और बचत घट रही है, जबकि

मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए घरेलू बजट संभालना मुश्किल

उन्होंने कहा कि वेतन या तो ठहरा हुआ है या महंगाई को ध्यान में रखने पर लोगों की वास्तविक क्रय शक्ति कम हुई है। रमेश ने दावा किया कि एक ओर अमीरों की संपत्ति और कॉरपोरेट मुनाफा बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए घरेलू बजट संभालना मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विषम आर्थिक परिस्थितियों में परिवार अपनी बचत खर्च करके गुजर-बसर करने के लिए मजबूर हैं, लेकिन सरकार सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों का हवाला देकर जमीनी वास्तविकता को नकार रही है।

जीडीपी के आंकड़े जमीनी स्थिति को नहीं छिपा सकते

कांग्रेस महासचिव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित करते हुए कहा कि बढ़ती आर्थिक असमानता देश की प्रमुख चिंताओं में से एक है। उन्होंने कहा, जीडीपी के आंकड़े कभी यह नहीं बताते कि विकास का लाभ किसे मिल रहा है और आम आदमी की जिंदगी कितनी बेहतर हो रही है। रमेश ने दावा किया कि जब आय और संपत्ति का बड़ा हिस्सा कुछ लोगों के पास सिमटता जाए तथा आम परिवार महंगाई, कर्ज और घटती बचत के दबाव में हों, तो जीडीपी के आंकड़े जमीनी स्थिति को नहीं छिपा सकते। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास का दावा तभी सार्थक है जब उसका लाभ आम आदमी तक पहुंचे। रमेश ने कहा, "हमारी स्पष्ट मांग है कि सरकार आर्थिक बढहाली की सच्चाई स्वीकार करे, रोजगार के अवसर बढ़ाए और महंगाई पर काबू पाने के लिए ठोस कदम उठाए।

परिवारों पर कर्ज का बोझ तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि कई परिवार रोजमर्रा का खर्च पूरा करने के लिए भी उधार लेने को मजबूर हैं।



प्रवर्तन जोन 1 ए के प्रवर्तन प्रभारी अतुल राय के कार्यकाल में 300+ अवैध निर्माण

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के सामने शेर बने प्रवर्तन जोन 1ए के प्रवर्तन प्रभारी अतुल राय के कार्यकाल में 300+ अवैध निर्माण इसकी बानगी हैं कई तो ऐसे निर्माण हैं जो दस्तावेजों में सील हैं लेकिन सील बिल्डिंगों में डंके की चोट पर धड़ल्ले से अवैध निर्माण जारी हैं.. एक्स्ट्रा स्लैबो का अंबार लगा हुआ है मानों जैसे दिवाली की सेल में कोई बम्पर ऑफर निकला हो हां वो बात अलग है कार्यवाही



के नाम पर प्रवर्तन प्रभारी अतुल राय सुस्त पड़े हैं, जबकि अगर उन पर कड़ा एक्शन लिया जाए तो करोड़ों-अरबों रुपए का राजस्व प्राधिकरण की झोली में आ सकता है। ज्यादा दूर न जाइए तो केडीए ऑफिस से चंद कदमों की दूरी पर गोविंद त्रिवेदी के वेदांता अस्पताल को ले लीजिए जिसमें दो एक्स्ट्रा स्लैबो का निर्माण हो गया पाँचवीं स्लैब को ध्वस्तिकरण होना था.. पचासों

लाख के आसपास या उससे ऊपर लगाने वाले आमेलन शुल्क का शायद अता पता नहीं है..इसके बाद में रोड ऑफिसर बंगलों से चंद कदमों की दूरी पर बने डॉ. SK कटियार के प्राथमिक हॉस्पिटल में दो एक्स्ट्रा स्लैबो का निर्माण हो गया.. मधुराज हॉस्पिटल में बेसमेंट का उपयोग धड़ल्ले से हो रहा है हां सूत्रों ने बताया लाखों रुपए कार्यवाही के नाम पर वसूल लिए गए... स्वरूप नगर-आर्यनगर स्थित संगम पान के बगल में बबलू जैन का डंके की चोट पर अवैध निर्माण जारी है।

दस्तावेजों में तो सील लेकिन निर्माण बराबर जारी

चमनगंज में बाबा स्वीट्स दस्तावेजों में तो सील था लेकिन निर्माण बराबर जारी रहा इसी तरह से रक्षा बंधन के पावन अवसर पर घसने वाली बिल्डिंग जिसे डिमोलिश करवाया गया उसी संकरी गली के सामने सील बिल्डिंग में निर्माण जारी है अधिकारियों की मेंहरबानी से अब तो सील का पट्टा भी हटा दिया गया मेंहरबानी यही खतम नहीं हुई इसी तरह से चमनगंज-प्रेमनगर में बने कानपुर सिटी हॉस्पिटल में एक्स्ट्रा स्लैब डाल दी गई और मौके पर हॉस्पिटल संचालित भी रहा.. जिम्मेदारों के कारनामों और भी है लेकिन सवाल ये उठता है कि विधानसभा अध्यक्ष से मोर्चा लेने वाले बेहद ईमानदार छवि के प्रवर्तन प्रभारी अतुल राय इन सभी पूंजीपतियों के आगे नलमस्तक क्यों हैं जैसे बिट्टू महाना के बेसमेंट के खिलाफ एक्शन लिया था उसी तरह से बाकी जगह एक्शन लेने में क्यों उनके हैंथ कांप रहे हैं...? अगर इन सबके खिलाफ तगड़ा एक्शन लिया जाए तो शायद करोड़ों रुपए का राजस्व प्राधिकरण की झोली में आ सकता है लेकिन प्राधिकरण के राजस्व से मतलब किसको है यहां तो जिम्मेदारों को अपना निजी राजस्व वसूलना होता है।

लखनऊ में बेलगाम हुआ क्राइम !

सीपी तरुण गाबा के 91 दिन... 33 मर्डर से दहला नवाबों का शहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नवाबों का शहर लखनऊ इन दिनों एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन वजह सुकून देने वाली नहीं, बल्कि डराने वाली है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपराध पर लगाम लगाने के लिए बीते दिनों प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 2001 बैच के तेज-तर्रार आईपीएस तरुण गाबा को लखनऊ का नया पुलिस कमिश्नर बनाया था। 29 जुलाई को उन्होंने लखनऊ की कमान संभाली थी। लेकिन उनके इन 91 दिनों के कार्यकाल में लखनऊ में हत्याओं की जैसे बाढ़ सी आ गई है।

इन 91 दिनों में करीब 33 हत्याएं हो चुकी हैं, जिनमें कई मामले पुलिस की लापरवाही की ओर इशारा करते हैं। इस पूरे दौर की सबसे दर्दनाक घटना हाल ही में सआदतगंज इलाके में सामने आई। यहां कार पार्किंग को लेकर हुए मामूली विवाद में एक ही परिवार के तीन लोगों की बेरहमी से हत्या



जुलाई और अगस्त के आंकड़े

सआदतगंज की यह घटना अकेली नहीं है। कमिश्नर तरुण गाबा के कार्यभार संभालने के बाद से ही वारदातों का सिलसिला शुरू हो गया था। 31 जुलाई को गोसाईगंज में आजाद रावत की हत्या से शुरुआत हुई। इसके बाद 3 अगस्त को बीकैटी में अनिल कुमार की हत्या हुई। 5 अगस्त को पारा में 21 साल की युवती की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। 6 अगस्त को आशियाना में ज्ञानेश सिंह, 7 अगस्त को इंदिरानगर में पंकज और 8 अगस्त को हसनगंज में शिवानी की हत्या हुई। 9 अगस्त को कृष्णा नगर में सिंगरेट न देने पर युवक की हत्या कर दी गई, तो 10 अगस्त को मझिगांव के फैजुल्लाहगंज में शुभम सोनी की जान ले ली गई। इसके बाद 13 अगस्त को जानकीपुरम में आशीष सोनी और 14 अगस्त को रहीमाबाद में 75 वर्षीय बुजुर्ग छत्रपाल की हत्या कर दी गई। 19 अगस्त को माहीगावा में शराब के ठेके के बाहर मोनू उर्फ दिलीप सिंह की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। 20 अगस्त को गोमती नगर दो हत्याओं और एक सुसाइड से दहल उठा। 25 अगस्त को मझिगांव में एक बुजुर्ग की चाकू मारकर हत्या हुई। 30 अगस्त को सुशांत गोलफ सिटी से लापता धीरेन्द्र प्रताप सिंह और मानक नगर में पूजा परवीन की हत्या के साथ अगस्त का महीना खत्म हुआ।

सितंबर का महीना शुरू होते ही अपराध का गाफ और ऊंचा हो गया

1 सितंबर को माहीगावा के सतीश यादव की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। 2 सितंबर को जानकीपुरम के IET कैपस के जंगल में एक युवती का शव बरामद हुआ। 6 सितंबर को महानगर थाना क्षेत्र में खाकी की थर्मसार करने वाली घटना सामने आई, जहां एक हेड कांस्टेबल ने अपनी ही पत्नी की हत्या कर दी। 12 सितंबर को मझिगांव थाने के सामने बुजुर्ग की चाकू से हत्या कर दी गई और एक अन्य को घायल कर दिया गया। 14 सितंबर को कृष्णा नगर में 32 वर्षीय रामबाबू मौर्य की हत्या हुई। 17 सितंबर को काकोरी में महिला की गला रेतकर हत्या और मोहनलालगंज में रामकिशोर की हत्या की गई। 18 सितंबर को बंधरा में 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला छिदना गौतम की गला रेतकर हत्या कर दी गई। 29 सितंबर को केजीएमयू के अडिस्टेंट नर्सिंग सुपरिटेंडेंट पवन कुमार की हत्या का मामला सामने आया।

अक्टूबर के महीने में भी हालात नहीं सुधरे

1 अक्टूबर को नाका में 42 वर्षीय गीता भागवतानी की हत्या हुई। 3 अक्टूबर को अलीगंज में लूंडे खेलने के विवाद में राहुल अवस्थी की जान चली गई। 9 अक्टूबर को कारोबारी शिवा शर्मा की सदिग्ध मौत और कृष्णा नगर में एक दोस्त द्वारा दूसरे दोस्त की हत्या का मामला सामने आया। 11 अक्टूबर को कृष्णा नगर क्षेत्र में माँ और बेटी की दोहरी हत्या ने सबको हिला कर रख दिया। और अंत में 26 अक्टूबर को सआदतगंज में ट्रिपल मर्डर की इस घटना ने 91 दिनों में कुल हत्याओं का आंकड़ा 33 तक पहुंचा दिया। 91 दिनों में 33 हत्याएं इस बात का गंभीर संकेत हैं कि राजधानी में अपराधियों के मन से कानून का खौफ कम हो रहा है। कमिश्नर तरुण गाबा के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती इस बिगड़ते क्राइम गाफ को रोकने और जनता में सुरक्षा का भरोसा वापस कायम करने की है।

कर दी गई। स्थानीय लोगों ने सआदतगंज पुलिस पर सीधा आरोप लगाया कि अगर पुलिस ने समय रहते कार्रवाई की होती, तो यह खौफनाक वारदात टल सकती थी। मामला तूल पकड़ने के बाद पुलिस प्रशासन की नौद खुली और सआदतगंज इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य और कश्मीरी मोहल्ला चौकी इंचार्ज अजय कुमार चौरसिया को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।